भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5689

27 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महाराष्ट्र में सिद्ध केंद्र

5689. श्री अरविंद गणपत सावंत:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कार्यरत सिद्ध केंद्रों की राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्र वार, विशेषकर महाराष्ट्र में संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने सिद्ध चिकित्सा पद्धति का संवर्धन करने के लिए कोई जागरूकता कार्यक्रम और शैक्षिक अभियान शुरू किए हैं;

(ग) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान सिद्ध चिकित्सा पद्धति के प्रचार और विकास के लिए कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या सरकार ने सिद्ध चिकित्सा पद्धति को मुख्यधारा की चिकित्सा सेवाओं के साथ एकीकृत करने के लिए कोई नीति या कार्य योजना बनाई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, साथ ही आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) के अंतर्गत सिद्ध आधारित उपचार प्रदान करने वाले अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार ने देश में सिद्ध चिकित्सा पद्धति में शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संवर्धन करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): दिनांक 01.04.2024 को महाराष्ट्र सहित देश में सिद्ध औषधालयों की कुल संख्या का ब्यौरा **संलग्नक** पर दिया गया है।

(ख) और (ग): आयुष मंत्रालय देश भर में सिद्ध सहित आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और प्रचार के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है, जिसके अंतर्गत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के सापेक्ष एनएएम के दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों का प्रावधान करता है: -

(i) मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करके आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का परिचालन, जिन्हें अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में पुनः नामित किया गया है।

(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थान।

(iii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय के लिए भवन का निर्माण (किराए पर/जर्जर आवास)/उस क्षेत्र में नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण जहां कोई आयुष सुविधा उपलब्ध नहीं है।
(v) 10/30/50 बिस्तर वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति।
(vii) आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।
(viii) उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।
(ix) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों और आयुष स्नातकपूर्व संस्थानों/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों के तहत आयुष का अवसंरचना विकास।

तदनुसार, एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, तमिलनाडु में 528 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) (आयुष) इकाइयां, केरल में 05 इकाइयां और पुदुचेरी में 01 इकाई चालू की गईं और सिद्ध स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के माध्यम से समुदाय को समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जा रही है।

एनएएम के तहत, तमिलनाडु, पुदुचेरी और केरल को उनके एसएएपी में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार आयुष सहित सिद्ध प्रणाली के समग्र विकास और संवर्धन के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान क्रमशः 19409.62 लाख रुपये, 1752.37 लाख रुपये और 26918.16 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

आयुष मंत्रालय, सिद्ध चिकित्सा सहित आयुष चिकित्सा प्रणालियों, के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र योजना भी कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य देश भर में सभी वर्गों तक पहुंचना है और इस योजना के तहत मंत्रालय राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय आरोग्य मेलों, योग उत्सवों/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों का आयोजन करता है, आयुर्वेद दिवस सहित आयुष प्रणालियों के महत्वपूर्ण दिनों को मनाता है, स्वास्थ्य मेलों/मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेता है, सेमिनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है और मल्टीमीडिया अभियान आदि का संचालन करता है।

इसके अलावा, तंबरम सेनेटोरियम, चेन्नई में स्थित राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान जो आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, आरोग्य मेले आदि में भाग लेकर देश भर में सिद्ध चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। इस संस्थान ने तमिलनाडु के बाहर के लोगों के बीच सिद्ध चिकित्सा प्रणाली के बारे में जागरूकता पैदा की है। संस्थान सिद्ध चिकित्सा प्रणाली के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए सिद्ध दिवस समारोह, सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई), कार्यशालाएं, सेमिनार, सम्मेलन जैसे बहुत से कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

(घ) और (ङ): भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में सिद्ध पद्धतियों सहित आयुष सुविधाओं के सह-स्थान की कार्यनीति अपनाई है, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर विभिन्न पद्धतियों की औषधियों का विकल्प चुनने में सक्षम बनाया जा सके। आयुष चिकित्सकों/चिकित्सा सहायकों की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थन दिया जा रहा है, जबकि सिद्ध पद्धतियां सहित आयुष अवसंरचना, उपकरण/फर्नीचर के लिए सहायता आयुष मंत्रालय द्वारा एनएएम के तहत साझा जिम्मेदारियों के रूप में प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, एनएएम के तहत, सिद्ध प्रणाली सहित 10/30/50 बिस्तर वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार

को वित्तीय सहायता का प्रावधान है और तदनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार एसएएपी के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है।

(च): एनएएम के तहत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार सिद्ध प्रणालियों सहित आयुष शैक्षणिक संस्थानों के अवसंरचना के विकास के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, सिद्ध में यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित करके तथा संबद्ध अस्पताल में आने वाले रोगियों को सिद्ध चिकित्सा पद्धति से उपचार प्रदान करके सिद्ध चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दे रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत) के सहयोग से, 'मस्कुलोस्केलेटल विकारों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी)' और 'मेटाबोलिक विकारों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी)' पर 2024 और 2025 में मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के सिद्ध चिकित्सा सहित सभी आयुष पद्धतियों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए आयोजित किए गए थे।

इसके अलावा, आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) केंद्रीय क्षेत्र योजना आयुर्ज्ञान के घटकों में से एक है, जिसे आयुष मंत्रालय द्वारा 2021-22 से लागू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिद्ध डॉक्टरों सहित आयुष कर्मियों को आवश्यकता-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और ज्ञान अंतराल को पाटने के लिए प्रोत्साहित करना है। आयुष घटक में क्षमता निर्माण और सीएमई के तहत, सिद्ध चिकित्सा पद्धति से संबंधित 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विभिन्न संगठनों/संस्थानों को समर्थन दिया गया है।

*****

संलग्नक

01.04.2024 तक देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अनुसार सिद्ध औषधालयों की कुल संख्या *

क्र. सं.	**राज्य / संघ राज्य क्षेत्र**	**सिद्ध औषधालयों की कुल संख्या**
1	कर्नाटक	1
2	केरल	34
3	**महाराष्ट्र**	**0**
4	तमिलनाडु	1065
5	पुदुचेरी	28
क.	**कुल**	**1128**
ख. सीजीएचएस और केंद्र सरकार के संगठन		**67**
कुल (क+ख)		**1195**
***स्रोत:** राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र सरकरों और संबंधित एजेंसियों द्वारा रिपोर्ट किया गया।		